an>

Title: Regarding reported blackout of Zee Punjabi T.V. channel.

श्री संतोख सिंह चौधरी (जालंधर) : मैडम धन्यवाद। मैं आज एक बहुत ही महत्वपूर्ण विÂषय की ओर आपका ध्यान आकर्Âिषत करना चाहता हूं। लोकतंत्र के चार स्तम्भ हैं- न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधानपालिका व प्रैस है। देश की आजादी से पहले और आजादी के बाद भी, प्रैस और मीडिया का देश के निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण रोल रहा है। आज के इलेक्ट्रोनिक युग में भी, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, न्यूज चैनल, फेसबुक और ट्विटर्स ऐसे साधन हैं, जिनकी मार्फत लोग अपने विचार रखते हैं और देश में जो हो रहा है, उसे देखते हैं।

मैडम, मैं यह कहना चाहता हूं कि पंजाब में एक दमनकारी राज्य चल रहा है और पंजाब में एक फास्टवे नेटवर्क है केबल। इसके मालिक पंजाब के उप मुख्यमंत्री हैं। आप मेरी बात सुनिये। ...(व्यवधान) आप मेरी बात सुनने का थोड़ा हौसला रखिये। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : संतोख सिंह जी, आप अपनी बात रखिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री संतोख सिंह चौधरी : वहां के उप मुख्य मंत्री के मुताबिक जो भी चैनल नहीं चलता, उसे वह बंद कर देते हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप किसी पर ऐसा ऐलीगेशन नहीं लगा सकते।

â€¦(व्यवधान)

श्री संतोख सिंह चौधरी: मैडम, जी टीवी, जी पंजाबी, हरियाणा, हिमाचल और पंजाब में एक चैनल चल रहा है, जिसके लाखों लोग व्यूअर्स हैं। ...(व्यवधान) चूंकि यह एक निष्पक्ष चैनल है, इसलिए फास्ट वे नेटवर्क ने इस चैनल को ब्लैक आउट कर दिया है। ...(व्यवधान) इससे पहले भी डे एंड नाइट चैनल को भी ब्लैक आउट किया है। ...(व्यवधान) एबीवीपी सांझा चैनल था, उसे ब्लैक आउट किया है। ...(व्यवधान) मैं समझता हूं कि हमारे संविधान ने प्रैस को जो आजादी दी है, उस पर एक बहुत गहरा घाव है। ...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि ऐसा लग रहा है जैसे पंजाब में प्रैस इमर्जेंसी प्रिवेल हो गयी है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं आपकी मार्फत भारत सरकार और मिनिस्ट्री ऑफ इन्फोर्मेशन एंड ब्राडकास्टिंग मंत्रालय से निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसे जो दमनकारी फैसले हैं, उन्हें बंद किया जाये। वहां दखल दिया जाये, ताकि ऐसे जितने भी चैनल्स हैं, उनका पंजाब में प्रसारण हो सके।